ओम् शान्ति 4-3-13 मधुबन

महाशिवरात्रि के पावन पर्व की कोटि-कोटि हार्दिक बधाईयां

प्राणेश्वर प्यारे अव्यक्त बापदादा के अति लाडले, सभी देश विदेश के ब्राह्मण कुल भूषण भाई बहिनें, निमित्त विश्व सेवाधारी टीचर्स बहिनें एवं भाई,

ईश्वरीय स्नेह भरी मधुर याद के साथ 77 वीं त्रिमूर्ति शिव जयन्ती की सबको ढेर सारी बधाईयां। बाद समाचार - आप सभी भोलानाथ बाबा की जयन्ती सो अपनी अलौकिक जयन्ती खूब धूमधाम से खुशियों के साथ मना रहे होंगे। बाबा कहते बच्चे सदा उमंग-उत्साह के पंखों से उड़ते रहो, सबको बधाईयां देते, शिवबाबा का ध्वज फहराते सबका मुख मीठा कराते रहो। मैं तो जब भी अमृतवेले बाबा की याद में बैठती हूँ तो पूरा ग्लोब नज़रों के सामने आ जाता है। बाबा ने दोनों हाथ में विश्व का गोला दिया है, ऐसे अनुभव होता जैसे बाबा की सकाश पूरे ग्लोब पर जा रही है। सभी आत्मायें सुख शान्ति शक्ति के खजाने से भरपूर हो रही हैं। आप सब भी याद आते तो जैसे दिल से निकलता वाह बाबा वाह! वैसे ही यह भी आता कि वाह बाबा के हीरो पार्टधारी बच्चे वाह! कैसे तन मन धन से, अपना समय, श्वांस, संकल्प, सम्पत्ति सब सफल करते हुए बाबा को प्रत्यक्ष करने की सेवा में लगे हुए हैं। बाबा कहते बच्चे और कुछ भी नहीं सोचो, सब अच्छा हुआ है, अच्छा ही होना है। किसी से भी भेंट नहीं करो, हर आत्मा का भाग्य अपना है, हर एक का पार्ट अपना है। तुम सिर्फ फालो फादर करो। सबकी विशेषताओं को देखो तो विशेष आत्मा बन जायेंगे। नाउम्मींद तो कभी भी नहीं बनना। सदा उमंग-उत्साह में रहना। जो भूलने वाली बीती बातें हैं, वह कभी याद न आयें। जो याद रखने वाली बातें हैं वह समय पर मदद करती रहें, ऐसा ही मेरा अनुभव है।

बाकी आप सब तो बाबा के वरदानों से पलते उड़ती कला में उड़ते रहते हो। बाबा मुझे भी अनेक वरदानों से सजाता रहता है। ऐसे वरदाता, भाग्यविधाता बाप की यह हीरे तुल्य त्रिमूर्ति शिव जयन्ती सभी स्थानों पर खूब धूमधाम से मनाते, अपने खुशनुमा चेहरे और चलन द्वारा बाप को प्रत्यक्ष करना ही है। बोलो, यही लक्ष्य रख एक दो को बधाईयां देते खुशियां मना रहे हो ना!

बाकी हमारी मीठी कुंज दादी, जिनके शरीर छोड़ने का समाचार तो आपको मिल गया होगा। आज उनके पार्थिव शरीर का अन्तिम संस्कार 10 बजे, मधुबन के चारों धामों की यात्रा कराते हुए आबू में किया जायेगा। आपने ईस्टर्न ज़ोन के भाई बहिनों की बहुत अच्छी रूहानी पालना की है। काफी संख्या में वहाँ की निमित्त टीचर्स बहिनें तथा भाई मधुबन पहुंच गये हैं। कुंज दादी विशेष हमारी सेवा-साथी रही हैं, सदा मैंने उन्हें उमंग-उत्साह में देखा है। बहुत नशे और खुशी के साथ सबको बाबा के अंग-संग के अनुभव सुनाती थी। दादी ने अनेक आत्माओं को ज्ञानदान देकर जीयदान दिया है। सदा बाबा की आज्ञाकारी, बाल ब्रह्मचारिणी सपूत बच्ची बनकर रही हैं। ऐसी आत्मा को पूरा ब्राह्मण परिवार अपने स्नेह सुमन अर्पित करता है।

मीठी कुंज दादी के निमित्त 14 मार्च सतगुरूवार के दिन विशेष भोग का कार्यक्रम सभी सेवाकेन्द्रों पर रखना है। कुंज दादी, दादी प्रकाशमणी की बड़ी बहन सती दादी की लौकिक बेटी थी, दादी प्रकाशमणी की तीसरी लौकिक बड़ी बहन किशनी दादी और कुंज दादी दोनों ही काफी समय पटना में अपनी अथक सेवायें देती रही। अभी बाबा के यह अनन्य महारथी बच्चे सब एडवांस पार्टी में नये युग के आगमन की तैयारियां करने गये हैं। सभी ने बहुत अच्छा हीरो पार्ट स्थापना के कार्य में बजाया, अभी सतयुग के आगमन में नम्बरवन पार्ट बजायेंगे। अच्छा - सभी को हमारी बहुत-बहुत याद...

ईश्वरीय सेवा में,

बी.के. जानकी